नईदुनिया

घरेलू सर्राफा बाजार में बढ़ी सोने की चमक, चांदी में आई गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। इस कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये से लेकर 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 73,810 रुपये से लेकर 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच ही बना हुआ है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 95,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,410 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी तेजी आने की वजह से सोना महंगा हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

जुलाई-सितंबर तिमाही में ग्रामीण खपत शहरी बाजार की तुलना में दोगुनी बढ़ीः रिपोर्ट

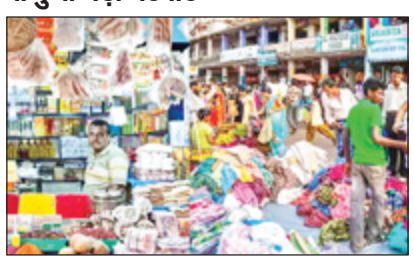

नई दिल्ली। भारत के बाजारों में उपभोक्ता मांग में तेजी देखी जा रही है। हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र में मात्रा वृद्धि के मामले में शहरी क्षेत्रों को पीछे छोड़ दिया गया है। भारतीय एफएमसीजी उद्योग में जुलाई-सितंबर तिमाही में मूल्य और मात्रा दोनों में वृद्धि दर में सुधार दर्ज किया गया है। रिपोर्ट ने दिखाया गया है कि छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों ने गिरावट के बाद वापसी की है। खाद्य उपभोग वृद्धि दर में भी तेजी देखी गई है। खाद्य क्षेत्र की एफएमसीजी कंपनियों की वृद्धि तेज रही है और उन्हें दूसरी संबंधित क्षेत्रों की तुलना में ज्यादा फायदा मिला है। इसके साथ ही एचपीसी श्रेणियों में भी खपत वृद्धि दर स्थिर रही है। इस तरह की वृद्धि तथा सुधार के संकेत भारतीय बाजार में आगे की सकारात्मक स्थिति की मिली है। व्यापक रूप से उपभोक्ता सहायक क्षेत्रों में इस तरह के सुधारों का प्रभाव महसूस किया जा रहा है जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छे दिनों की संभावना दर्शाता है।

पांच कंपनियों को एमएससीआई इंडिया सूचकांक में किया जाएगा शामिल

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में एक महत्वपूर्ण तारीख का ऐलान हुआ है, जिसमें बीएसई, ओबेरॉय रियल्टी, कल्याण ज्वैलर्स, एल्केम लैबोरेटरीज और वोल्टास इन कंपनियों को 25 नवंबर 2024 से एमएससीआई इंडिया सूचकांक में शामिल किया जाएगा। यह नवीनतम निर्णय एमएससीआई की नई सूचकांक समीक्षा के आधार पर लिया गया है। इस सूचकांक में जोड़ने से ये कंपनियां एमएससीआई इंडिया के ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स के घटक बन जाएंगी। इस पुनर्गठन का निर्णय बाजार में बहुत बड़ा परिवर्तन ला सकता है, जिससे यह समझना मुश्किल हो जाएगा कि कौन सी कंपनियां अब आगे बढ़ सकती हैं। एमएससीआई वैश्विक निवेश समुदाय के लिए महत्वपूर्ण निर्णय समर्थन उपकरणों तथा सेवाओं का अग्रणी प्रदाता है। उन्होंने इस नए पहल को इंडियन शेयर बाजार में एक नया मील का पत्थर बताया है। एमएससीआई इंडिया की इस नवीनतम सूचकांक समीक्षा के बाद बाजार में रोचकता बढ़ी है और निवेशकों की उत्सुकता में भी वृद्धि हुई है। यह निर्णय भारतीय शेयर बाजार को मजबूती और निर्भरता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

आईबीबीआई ने परिचालन लेनदारों के लिए मध्यस्थता का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली। भारतीय दिवाला और ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। आईबीसी मानदंडों के तहत दिवाला कार्यवाही के लिए आवेदन दाखिल करने से पहले, बोर्ड ने स्वैच्छिक मध्यस्थता तंत्र का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव का होगा न्यायाधिकरण पर बोझ कम करना और प्रक्रिया में तेजी लाने का मानदंड है। इस तरह की मध्यस्थता सिफारिश विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के आधार पर किया गया है। आईआईपीआई के सुझावों के अनुसार, दिवाला बोर्ड ने हाल ही में मध्यस्थता शुरू करने के लिए चर्चा पत्र जारी किया। इस से परिचालन लेनदारों को संविदात्मक असहमति, गुणवत्ता के मुद्दे, और कम भुगतान के दावे जैसे मामलों पर कॉरपोरेट देनदारों के साथ विवादों का समाधान मिल सकेगा। यह एक अहम कदम है जो कारगरता और पारदर्शिता को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। आईबीबीआई का यह निर्णय देश के दिवाला सेक्टर में सुधार करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे संविदानिक स्वतंत्रता और दिवाला अद्यतन के दृष्टिकोण से बेहतर माहौल बन सकता है। दिवाला क्षेत्र में सुधार का प्रयास इसे एक पहलु से नए ऊर्जा का संचार कर सकता है। इस तरह भारतीय दिवाला और ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड का यह नया कदम सेंटी. के के पिछले समय की तुलना में एक बड़ी सफलता साबित हो सकता है।

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 830 अंक लुढ़का, निफ्टी भी 255 अंक टूटा

नई दिल्ली

शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 830.66 अंक यानी 1.03 फीसदी लुढ़ककर 79,547.48 पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 255.45 अंक यानी 1.04 फीसदी की गिरावट के साथ 24,228.60 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 शेयरों में गिरावट और 9 शेयर में तेजी है। वहीं, निफ्टी के 50 शेयरों में से 35 में गिरावट और 15 में तेजी देखने को मिल रही है। एनएसई के बैंकिंग, ऑटो और मेटर सेक्टर गिरावट के साथ अभी कारोबार कर रहे हैं। हालांकि, सेंसेक्स ने 185 अंक की तेजी के साथ 80,563 के स्तर पर कारोबार शुरू किया था, जबकि निफ्टी 10 अंक की तेजी के साथ खुला था।

एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार देखने को मिल रहा है। जापान के निक्केई में 0.40 फीसदी की गिरावट है। वहीं, कोरिया का कोस्पी 0.18 फीसदी और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.79 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को सेंसेक्स 901 अंक यानी 1.13 फीसदी की तेजी के साथ 80,378 के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 270 अंक यानी 1.12 फीसदी की तेजी के साथ 24,484 के स्तर पर बंद हुआ था।

आरबीआई ने मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने केवायसी के नियम बदले

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नो योर कस्टमर (केवायसी) मानकों में बदलाव किए हैं। यह बदलाव मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम (रिकॉर्ड संधारण) नियमों में हाल ही में किए गए संशोधनों के साथ तालमेल बिठाने के लिए किए गए हैं। इसके साथ ही रिजर्व बैंक ने कुछ मौजूदा निर्देशों में भी संशोधन किया है। आरबीआई ने 2016 के मास्टर डायरेक्शन केवायसी दिशा-निर्देश में संशोधन किया है। इसके तहत अब सभी रेगुलेटेड एंटिटीज को ग्राहक की पहचान जांच प्रक्रिया यानी कस्टमर ड्यू डिलिजेंस को यूनिक कस्टमर आइडेंटिफिकेशन कोड स्तर पर लागू करना होगा। आरबीआई द्वारा जारी एक सर्कुलर के अनुसार अगर किसी रेगुलेटेड एंटिटी के मौजूदा केवायसी सम्पन्न ग्राहक को उसी एंटिटी में नया खाता खोलना है या किसी अन्य उत्पाद या सेवा का लाभ उठाना है, तो ग्राहक की पहचान के लिए नए सीडीडी (ग्राहक पहचान प्रक्रिया) की आवश्यकता नहीं होगी। आरबीआई ने सीडीडी प्रक्रिया और केंद्रीय केवायसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री के साथ केवायसी जानकारी साझा करने को लेकर भी संशोधन किए हैं। अब जब भी कोई रिपोर्टिंग इकाई किसी ग्राहक से नई या अपडेट की गई जानकारी प्राप्त करती है, तो उसे सात दिनों के भीतर या केंद्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित अवधि में सीकेवायसीआर को अपडेट की गई जानकारी भेजनी होगी। इसके बाद यह ग्राहक के मौजूदा केवायसी रिकॉर्ड को अपडेट कर देगा। सीकेवायसीआर एक ऐसी इकाई है, जो ग्राहकों के केवायसी रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में प्राप्त करती है, सुरक्षित रखती है और आवश्यकता पड़ने पर वापस उपलब्ध कराती है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का जिओ का आईपीओ 2025 में आएगा बाजार में

नई दिल्ली

मुकेश अंबानी के नेतृत्व में रिलायंस इंडस्ट्रीज अपने टेलीकॉम व्यवसाय जिओ का आईपीओ लाने की योजना बना रही है, जो 2025 में बाजार में आ सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि जिओ का मूल्यांकन 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। दूसरी ओर रिलायंस रिटेल का आईपीओ 2025 के बाद आने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी कंपनी के फैसले से जुड़े दो सूत्रों ने दी है। 2019 में, अंबानी ने स्पष्ट किया था कि रिलायंस जिओ और रिलायंस रिटेल अगले पांच सालों में सार्वजनिक सूची में लाए जाएंगे, लेकिन इसके बाद इस संदर्भ में कोई नया अपडेट नहीं आया। पिछले कुछ सालों में अंबानी ने केकेआर, जनरल अटलांटिक और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी जैसे प्रमुख निवेशकों से डिजिटल, टेलीकॉम और रिटेल व्यवसाय में कुल 25 बिलियन डॉलर का निवेश जुटाया है, जिससे दोनों व्यवसायों का मूल्यांकन 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया है।

सूत्रों के मुताबिक रिलायंस जिओ का आईपीओ 2025 में लॉन्च किया जाएगा, क्योंकि कंपनी का मानना है कि उसने 479 मिलियन ग्राहकों के साथ मजबूत कारोबार और नियमित कमाई हासिल की है, जिससे वह भारत का सबसे बड़ा टेलीकॉम प्लेयर बन गया है। वहीं, रिलायंस रिटेल का आईपीओ 2025 के बाद आएगा, क्योंकि कंपनी अपने आंतरिक व्यापार और संचालन संबंधी कुछ मुद्दों को सुलझाना चाहती है। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

रिलायंस जिओ भारत में एलन मस्क की स्टारलिंक इंटरनेट सेवा का मुकाबला करने की तैयारी कर रहा है और इसे गूगल और मेटा का समर्थन भी प्राप्त है। कंपनी ने एनवीडिया के साथ साझेदारी की है, ताकि भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जा सके। सूत्रों के मुताबिक फिलहाल जिओ की वैल्यूएशन को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और न ही आईपीओ के लिए बैंकरों की नियुक्ति की गई है।

भारत में एलन मस्क की स्टारलिंक इंटरनेट सेवा का मुकाबला करने की तैयारी

ग्रीनजो एनर्जी को नेपाल में 500 करोड़ का ठेका मिला

नई दिल्ली

ग्रीनजो एनर्जी ने नेपाल में 120 मेगावाट की सौर परियोजना स्थापित करने के लिए 500 करोड़ रुपये का ठेका हासिल किया है। इस परियोजना के साथ ही उनकी मौजूदा ऑर्डर बुक 1,900 करोड़ रुपये की हो गई है। कंपनी ने गुरुवार को जारी बयान में उज्जवल भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हुए बड़ी बड़ी परियोजनाओं के कार्य को थामने का ऐलान किया।

ग्रीनजो एनर्जी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस सौर परियोजना को समय पर मुकम्मल करने के संकल्प की जीवनी दी। उन्होंने कहा कि हम परियोजना के प्रत्येक चरण को पूरा करने के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य है कि अपने हरित ऊर्जा समाधानों के माध्यम से नवाचार और प्रगति को सशक्त बनाना। इस परियोजना के माध्यम से ग्रीनजो एनर्जी ने नेपाल के पर्यावरणीय लक्ष्यों का समर्थन करने के संकल्प को और मजबूत किया है। वह भारत के नवीनीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी बनने का उचित उद्देश्य रख रहे हैं।

यह परियोजना ग्रीनजो एनर्जी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है जो ऊर्जा क्षेत्र में उनकी स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगा। इस सौर परियोजना के उत्कृष्टीकरण से स्थानीय आदिवासी समुदायों और अन्य संगठनों को भी लाभ मिलेगा।

एसबीआई ने सिंगापुर फिनटेक फेस्टिवल में नवाचार केंद्र शुरू किया

सिंगापुर

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सिंगापुर फिनटेक फेस्टिवल में एक नवाचार केंद्र प्रारंभ किया है। वित्तीय संस्थानों तथा वित्तीय प्रौद्योगिकी के लिए सिंगापुर स्थित अग्रणी वैश्विक सहयोगी नवाचार मंच एपीआईएक्स के साथ साझेदारी में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) नवाचार केंद्र (इनोवेशन हब) की शुरुआत की गई।

इसका उद्देश्य दुनिया भर के वित्तीय प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप तथा नवप्रवर्तकों को एसबीआई के विविध ग्राहक आधार की डिजिटल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अगली पीढ़ी के वित्तीय समाधान डिजाइन करने के लिए समर्पित स्थान प्रदान करना है। सिंगापुर फिनटेक फेस्टिवल का आयोजन छह से आठ नवंबर तक किया जा रहा है। एसबीआई की उप प्रबंधक निदेशक (आईटी) विद्या कृष्णन इस कार्यक्रम में ऑनलाइन शामिल हुईं और कहा कि भारतीय स्टेट बैंक का नवाचार केंद्र हमारे बैंकिंग तथा वित्तीय सेवाओं में नवाचारों को बढ़ावा देने के हमारे डिजिटल परिवर्तन मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एपीआईएक्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एपीआईएक्स ने हालांकि कई विश्व-अग्रणी वित्तीय संस्थानों और फिनटेक के साथ सहयोग किया है, लेकिन एसबीआई जैसी प्रमुख संस्था के साथ साझेदारी करना और उसकी जरूरतों के लिए समर्पित एक अनूठा मंच प्रदान करना एक बड़ी उपलब्धि है।

अमेरिका में ट्रंप की वापसी से भारत के लिए व्यापारिक नीतियों में नया तनाव संभव

अमेरिका भारत का महत्त्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार है

नई दिल्ली

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में डॉनल्ड ट्रंप की ऐतिहासिक वापसी से भारत के साथ इस देश का व्यापार तनाव बढ़ सकता है। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला भारत में आने से उसे काफी फायदा भी हो सकता है क्योंकि अमेरिकी कंपनियां चीन से अपना उत्पादन भारत जैसे देशों में लाने की संभावना तलाश सकती हैं। ट्रंप अमेरिका फर्स्ट नीति पर आगे बढ़ सकते हैं और मुख्य रूप से चीन को निशाना बना सकते हैं।

हालांकि अक्टूबर की शुरुआत में उन्होंने भारत को ज्यादा शुल्क वाला देश बताया था। चुनाव के दौरान ट्रंप ने सभी देशों से आयात पर 10 से 20 फीसदी और चीन के उत्पादों पर 60 फीसदी शुल्क लगाने का वादा किया था। अमेरिका भारत का महत्त्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार है। वित्त वर्ष 2024 में दोनों देशों के बीच करीब 120 अरब डॉलर मूल्य का व्यापार हुआ था। 35.3 अरब डॉलर के अधिशेष के साथ दोनों के बीच का व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है। अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने व्यापार असंतुलन पर चिंता जाताई थी और कहा था कि भारत अमेरिका से ज्यादा आयात नहीं कर रहा है। ईवाई इंडिया में टैक्स एवं इकनॉमिक पॉलिसी (अंतरराष्ट्रीय व्यापार) के एक पार्टनर ने कहा कि भारत को टेक्सटाइल, रसायन, फार्मा तथा वाहन/इंजीनियरिंग उत्पादों पर ज्यादा शुल्क का सामना करना पड़ सकता है। विकल्प के रूप में हमें ऐसे व्यापार समझौते के लिए तैयार रहना चाहिए जो न केवल हमारे वर्तमान हितों की रक्षा करे बल्कि नए हितों के साथ वह अमेरिका के लिए भी आकर्षक हो। ट्रंप ने फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए इस जीत को अमेरिका में स्वर्णिम युग की वापसी बताया। ट्रंप ने कहा कि यह शानदार जीत है जो अमेरिका को एक बार फिर महान बनाने में हमारी मदद करेगी। उन्होंने आगे की योजनाओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि हम अपनी सीमाओं को दुरुस्त करने जा रहे हैं, हम अपने देश के बारे में सब कुछ ठीक करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं प्रत्येक नागरिक के लिए, आपके परिवार और आपके भविष्य के लिए लड़ूंगा। मैं तब तक आराम नहीं करूंगा, जब तक हम मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध अमेरिका नहीं बना लेते, जिसके हमारे बच्चे और आप हकदार हैं।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल- 462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017